पुलिस कंट्रोल रूम में लगा शिविर

शिविर में पुलिसकर्मियों की नि:शुल्क हुई कैंसर की जांच

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आरआर कैट और इंदौर पुलिस ने मिलकर पुलिस कंट्रोल रूम में बुधवार को फ्री कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया। लेजर तकनीक से मुंह के कैंसर की जांच की मशीन की खोज करने वाले आरआर कैट के डॉ. शोभन कुमार मजुमदार, ऑन्को सर्जन डॉ. एसएस नैयर, डॉ. अभय अत्रे, शासकीय डेंटल कॉलेज की डॉ. जया जोशी ने अपना सहयोग दिया।

शिविर में पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के मुंह के कैंसर की जांच ऑन्कोडाइग्नोस्कोप मशीन द्वारा की गई। यह मशीन ऑप्टिकल तकनीक पर आधारित है, जो मात्र 30 सेकंड में बिना किसी चीर-फाड़ के मुंह में कैंसर के लक्षण हैं या नहीं यह बता देती है। डॉ. मजुमदार ने इस मशीन की कार्यप्रणाली के बारे में बताया तथा डॉ. नैयर ने मुंह के कैंसर के लक्षणों व इस बीमारी से बचाव के उपाय बताए। इस दौरान एसएसपी रुचिवर्धन मिश्र, एएसपी मुख्यालय मनीषा सोनी, डीएसपी यातायात उमाकांत चैधरी मौजूद थे। शिविर में 75 पुलिस वालों की जांच की गई।

ट्रोल रूम पर कैंसर निदान कैंप का आयोजन

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

कैंसर की प्राथमिक स्तर पर पहचान, निदान व रोकथाम के उद्देश्य से दो दिवसीय शिविर का शुभारंभ बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में आरआर कैट इंदौर के तत्वाधान किया गया। शिविर का आयोजन कैट के जैव चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. शोभन कुमार मजुमदार, ऑन्को सर्जन डॉ. एस.नय्यर, डॉ. अभय अत्रे, दंत चिकित्सा महा. की डॉ. जया जोशी के विशेष प्रयासों से किया गया।

शिविर में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के मुंह के कैंसर की जांच कैट द्वारा विकसित मशीन ऑन्कोडाइग्नोस्कोप द्वारा की गई। यह मशीन ऑप्टीकल तकनीक पर आधारित है, जो मात्र 30 सेकेंड में बिना किसी चीरफाड के मुंह में कैंसर के लक्षण है या नहीं यह बता देती है। डॉ. मजुमदार ने इस मशीन की कार्यप्रणाली के बारे में बताया तथा डॉ. एस. नय्यर ने मुंह के कैंसर के लक्षणों व इस बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी।

समापन आज

इस अवसर पर एसएसपी रूचिवर्धन मिश्र की विशेष उपस्थिति में, एसपी मनीषा पाठक सोनी, डीएसपी यातायात उमाकांत चैधरी सहित पुलिस अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे, जिन्होंने स्वंय की जांच करवाकर शिविर का लाभ लिया। आज के इस कैंप में करीब 75 पुलिसकर्मियों की जांच की गयी, जिसमें कुछ लोगों में इसके उपचारार्थ लक्षण पाये गये, जिन्हे चिकित्सकों द्वारा उचित सलाह व ध्यान रखी जाने वाली सावधानियां के बारे में बताया गया। शिविर का समापन गुरुवार को होगा।

नशे के दुष्परिणाम के प्रति जागरुकता लाने के लिए कार्यशाला का आयोजन

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9926064287

नशे के दुष्परिणाम व इनसे दूर रहने की जागरूकता लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के निर्देशानुसार पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के दुर्व्यसन की रोकथाम पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कंट्रोल रूम में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रुचिवर्धन मिश्र ने किया। विशेष अतिथि डॉ. रामगुलाम राजदान, डॉ. शोभन मजुमदार, अति. पुलिस अधीक्षक यातायात महेंद्र जैन ने भाग लिया। इस अवसर पर एसएसपी ने बताया कि नशे से केवल एक व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि परिवार व समाज का भी नुकसान होता है। हम पुलिस विभाग में हैं और हमें समाज की बुराइयों को दूर करने की जिम्मेदारी दी गई है। अतः हम सभी मिलकर इस बुराई के लिए कानूनी व सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर इसे जड़ से खत्म करने का प्रयास करें। डॉ. राजदान ने बताया कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से कमजोर हो जाता है। नारकोटिक्स के अति. पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने नशे से जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार मनीषा पाठक ने व्यक्त किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्यक्रम का सफल आयोजन उमाकांत चौधरी व उनकी टीम द्वारा किया गया।

मदाक पदार्थों से दूरी बनाए रखना ही सुरक्षित जीवन की कुंजी

इंदौर पुलिस की नशे के दुष्परिणाम पर जागरूकता कार्यशाला

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

नशे से केवल एक व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि उसके परिवार व समाज का भी नुकसान होता है तथा हमारा जीवन अंधकार में डूब जाता है, अतः इससे बचकर रहें और अपने परिचितों को भी इससे बचाएं और यदि कोई इसकी गिरफ्त में है तो उसे दृढ़ इच्छाशक्ति द्वारा इससे बाहर लाने का प्रयास करें।

यह बात एसएसपी इंदौर रुचिवर्धन मिश्र ने बुधवार को कही। इंदौर पुलिस द्वारा मादक पदार्थों, नशे के दुष्परिणाम व इनसे दूर रहने के लिए लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की रोकथाम पर एक जागरूकता कार्यशाला पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में आयोजित की गई। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान नईदिल्ली के निर्देशानुसार आयोजित किया गया था।

जड़ से खत्म करने का करें प्रयास

कार्यशाला का शुभारंभ रुचिवर्धन मिश्र द्वारा किया गया। अतिथि अधीक्षक मानसिक चिकित्सालय डॉ. रामगुलाम राजदान, प्रमुख जैव चिकित्सा अनुप्रयोग प्रभाग से डॉ. शोभनकुमार मुजूमदार, आरआरकैट इंदौर से डॉ. एस नैयर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारकोटिक्स दिलीप सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय दिलीप सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मनीषा पाठक सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात महेंद्र जैन, उप पुलिस अधीक्षक यातायात उमाकांत चौधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मादक पदार्थों के दुष्परिणाम बताते हुए एसएसपी मिश्र ने कहा कि हम पुलिस विभाग में हैं और हमें समाज की बुराइयों को दूर करने की जिम्मेदारी दी गई है, अतः हम सभी मिलकर इस बुराई के लिए कानूनी व सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए इसे जड़ से खत्म करने का प्रयास करें।

शारीरिक के साथ मानसिक रूप से भी करता है कमजोर

कार्यशाला में डॉ. राजदान ने बताया कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी कमजोर हो जाता है, वह अपने परिवार व समाज के प्रति उदासीन हो जाता है, जिसके कारण ही वह अपराध व आत्महत्या जैसे अप्रत्याशित कदम भी उठा लेता है। इसलिए इन मादक पदार्थों से स्वयं व अपने परिवार को बचाना ही सुरक्षित जीवन की कुंजी है। नारकोटिक्स इंदौर के अति. पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी एवं निरीक्षक विवेक गुप्ता, निरीक्षक नरेश गिल, उनि. आरती कटियार तथा पीटीसी इंदौर के निरी. आनंद चौहान ने नशे से जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव, ड्रग्स के प्रकार, ड्रग्स लेने के नुकसान तथा ड्रग्स का व्यापार करने वालों के लिए कानूनी प्रावधान के बारे में जानकारी दी। पुलिस किस प्रकार मादक पदार्थों की रोकथाम की दिशा में कार्य कर रही है यह जानकारी भी दी गई। एनडीपीएस एक्ट के तहत की जाने वाली कार्रवाई का भी विस्तृत वर्णन किया गया। अंत में पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सूरज वर्मा ने मादक पदार्थों की रोकथाम में पुलिस की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।